मेकलेन घोषणा-पत्र
19 मार्च 2014

परिचय:

दुनिया भर के 58 देशों से विज्ञान केन्द्रों और संग्रहालयों के प्रमुख 17-19 मार्च, 2014 को मेकलेन, बेल्जियम में आयोजित 'विज्ञान केंद्र वैश्विक सम्मेलन' में भाग लेने के लिए एकत्रित हुए। 443 सहभागियों की यह उच्च स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय सभा विभिन्न महाद्वीपों में 1996 से आयोजित पिछले छह विश्व कांग्रेस की बैठकों के योगदान पर बनी। इस सम्मेलन के दौरान विज्ञान संग्रहालयों के प्रतिनिधियों ने वैश्विक नीति निर्माताओं, वैज्ञानिकों और प्रमुख व्यापार प्रतिनिधियों से मुलाक़ात की और विज्ञान, विज्ञान में लोक सहभागिता और तेजी से बदलते समाज में विज्ञान सम्प्रेषण एवं विज्ञान केन्द्रों की भूमिका के संबंध में विचारों का आदान-प्रदान किया। लगातार प्रभावित करने की प्रतिबद्धता के साथ विज्ञान केंद्र क्षेत्र इस घोषणा-पत्र को विश्वव्यापी कार्य योजना के रूप में अग्रेषित करता है।

1996 से विज्ञान पर आधारित जन योजना विषयों जैसे जलवायु और ऊर्जा, महामारी, डिजिटल गोपनीयता और अनुसंधान में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। विज्ञान में लोगों की सहभागिता बढ़ी है और डिजिटल क्रांति ने तकनीक के साथ हमारे सम्बन्धों को मौलिक रूप में परिवर्तित कर संचार और सीखने के नए तरीके बनाए हैं। विज्ञान केन्द्रों ने स्थानीय संदर्भ के अनुकूल, समुदायों की आवश्यकताओं और समग्रता की नीतियों को दर्शाती विविध प्रतिक्रियायों की उल्लेखनीय श्रृंखला प्रदर्शित की है। सरकारें, वैज्ञानिक उद्यम, अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं, बहु-राष्ट्रीय निगम और शिक्षा क्षेत्र सभी ने वर्तमान वैश्विक वैज्ञानिक एवं तकनीकी विषयों में नागरिकों की सहभागिता को प्रगति, समृद्धि और सभी के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण माना है। विश्व भर में फैले लगभग 3000 विज्ञान केन्द्र क्रियाशील, पूछताछ पर आधारित शिक्षा की अगुवाई कर रहे हैं और उन्होंने अपने 31 करोड़ से ज्यादा वार्षिक प्रतिभागियों का विश्वास हासिल किया है। विज्ञान केन्द्र तेजी से परंपरागत रूप से वैज्ञानिक तथ्यों के प्रायोगिक अथवा क्रियाशील अन्वेषण से आगे बढ़ रहे हैं। कई केंद्र अपने दर्शकों से वैश्विक चुनौतियाँ के संबंध में वार्तालाप कर अपने समुदाय में एक सक्रिय खिलाड़ी के रूप में उभर रहे हैं। इस प्रकार वे संयुक्त राष्ट्र के वर्तमान सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों और सतत विकास लक्ष्यों, जिन्हें 2015 में शुरू किया जाना है, को हासिल करने में मदद कर रहे हैं।

विज्ञान केन्द्रों का वैश्विक प्रभाव:

विश्व कॉंग्रेस 2011 से अब तक हमारे क्षेत्र में काफी विकास हुआ है। स्थानीय संदर्भ, स्वदेशी ज्ञान और विविध दर्शकों को ध्यान में रखकर कई नए विज्ञान केन्द्रों की स्थापना की गई है, खासकर अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, भूमध्य सागर के आस-पास, पूर्वी यूरोप और एशिया में। वैज्ञानिकों और आम जनता के बीच बातचीत में वृद्धि के कई उदाहरण हैं, जिनके माध्यम से विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बारे में जनता की राय सुनी जा सकती है और निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल किया जा सकता है। लोग अब विज्ञान में निवेश, नीति के विकास की प्रक्रिया से संबंधित राय जाहिर करने में ज्यादा सक्षम हैं और वैश्विक और क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान के लिए प्रोत्साहित एवं शिक्षित किए जाते हैं। जिस प्रकार से विज्ञान केन्द्रों ने रचनात्मकता, खोज और नवप्रवर्तन को प्रचारित किया है उससे एक सतत जीवन शैली में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गयी है।

विज्ञान केन्द्रों का वैश्विक सम्मेलन 2014:

सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक और भौगोलिक सीमाओं के पार विज्ञान जागरूकता को बढ़ावा देने में लोक साझेदारी का अभूतपूर्व विकास देखा गया है। औपचारिक शिक्षा, कला, व्यवसाय, नीति निर्माताओं और दुनिया भर में मीडिया के साथ मजबूत सहयोग बनाया गया है। विज्ञान केन्द्रों के वैश्विक सम्मेलन 2014 ने इस प्रक्रिया को जारी रखने, मौजूदा साझेदारी के नवीकरण और भविष्य के लिए साझा सपने के साथ नए सहयोगी प्रयासों का निर्माण करने के लिए अवसर प्रदान किया है। विज्ञान केन्द्रों और भागीदारों दोनों के लिए लगातार बदलती बहुमुखी परिस्थितियों के द्वारा प्रस्तुत चुनौतियों के समाधान के लिए यह एक महत्वपूर्ण अवसर था। 2014 के इस सम्मेलन ने ज्यादा नीति निर्माताओं, वैज्ञानिकों, वैश्विक कंपनियों और बहुराष्ट्रीय संस्थाओं को दुनिया भर में विज्ञान केन्द्रों के साथ सहकार्य की महत्ता के बारे में विश्वास दिलाया है। यह सहकार्य विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी और नागरिकों के समान लक्ष्यों के अंतर को पूरा करने का कदम होगा और इस तरह कई वैश्विक समस्याओं का समाधान निकाला जा सकेगा। विज्ञान केंद्र महज वैसे स्थान नहीं हैं, जहां आगंतुकों को अच्छा सीखने का अनुभव होता है या एक बरसात की दोपहर में अच्छा समय बिताने का मौका, बल्कि ये अद्वितीय संस्थाएं हैं, जो हर उम्र के लोगों के सोचने और कार्य करने के तरीके को पूरी तरह से बदल देते हैं। सहकार्य के समर्थन से विज्ञान और प्रोद्योगिकी में लोगों की भागीदारी को पहले से ज्यादा उच्च नीतिगत स्तर पर ले जाया जा सकेगा। साथ ही ये साझेदारियां ऐसा माहौल बनाएँगी, जिससे सभी दल एक दूसरे के संदेश और कार्यों का समर्थन कर सकेंगे।

इसीलिए, दुनिया भर के विज्ञान केंद्र और उनके सहयोगी भविष्य के लिए निम्न उद्देश्यों के प्रति प्रतिबद्ध हैं:

हम संकल्प लेते हैं कि ....

1. स्थानीय समुदायों और तेजी से बढ़ते विविध दर्शकों के साथ और भी अधिक प्रभावी ढंग से भागीदारी हेतु जांच करेंगे और साझेदारी में लिंग अंतर पर ध्यान केन्द्रित करेंगे।

2. उन कार्यों को करते रहेंगे जिनका सकारात्मक वैश्विक प्रभाव हो और मानवजाति के सतत विकास के लिए विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी द्वारा प्रदत अवसरों से हर जगह लोगों को जागरूक बनाएँगे।

3. उच्च स्तरीय वैश्विक गतिविधियों से निर्णायकों एवं मीडिया का ध्यान विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी में लोक-भागीदारी की आवश्यक भूमिका की तरफ आकृष्ट करेंगे।

4. विज्ञान केन्द्रों को नए तकनीकी समाधान, सतत तकनीक और इन समाधानों के उपयोग की क्षमता को प्रथमतः प्रस्तुत करने, विस्तारित करने वाले एक विश्वसनीय स्थान के रूप में स्थापित करने हेतु प्रयास करेंगे।

5. शिक्षार्थियों की भागीदारी के सर्वोत्तम तरीकों और उनकी शिक्षा, औपचारिक एवं अनौपचारिक दोनों को विभ्भिन संदर्भों में सही तकनीक के प्रयोग से उपयुक्त बनाने हेतु अग्रिम भूमिका निभायेंगे।

6. आम लोगों की अनुसंधान में अधिक सीधे तौर पर भागीदारी और इस भागीदारी से लोगों को सशक्त बनाने, दृष्टिकोण को व्यापक करने और विश्वविद्यालयों एवं अनुसंधान संस्थाओं के कार्यों को समाज के संदर्भ में और एक वैश्विक स्तर पर व्यापक सामाजिक सरोकारों के लिए कार्य करेंगे।

7. अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र वर्ष 2019 के रचनात्मक उत्सव के लिए साथ कार्य करेंगे और दुनियाभर के लोगों को विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी और समाज के अनुभवों को साझा करने हेतु इस समारोह में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

निम्न व्यक्ति और संस्थाएं जो विज्ञान केन्द्रों के वैश्विक सम्मेलन में उपस्थित हैं, विज्ञान केंद्र क्षेत्र के उन प्रयासों का स्वागत करते हैं, जिनसे विभिन्न तरीकों से ऊपर वर्णित उद्देश्यों की पूर्ति हेतु समान मानसिकता वाली संस्थाओं के साथ बातचीत शुरू करने का प्रयास किया गया है। वे इस घोषणा-पत्र को अपनी संस्था में प्रचारित करने और संभावित साझेदारी पर चर्चा के लिए भविष्य के निमंत्रण पर कार्य करने की सहमति प्रदान करते हैं।